Class = VIII (उपनिवेशवाद एवं जनजातीय समाज)
Sub = S.ST (Colonalism and Tribal Society)

(ख) उत्तर-पूर्वी राज्यों के जनजातियों के विद्रोह का विवरण दीजिए।

उत्तर :- उत्तर-पूर्वी राज्यों के जनजातियों को जब यह आभास हो गया कि अंग्रेज मुख्य रूप से पहाड़ी एवं जंगली क्षेत्रों में पाये जाने वाले संसाधनों पर अपना कब्जा चाहते हैं तब उन्हें अपने वजूद पर खतरा महसूस होने लगा। अंग्रेजों ने कई जनजातियों को विस्थापित होने पर मजबूर कर दिया। सारे संसाधन उनसे छीन लिये गये। उनकी जिन्दगी को हाशियें पर ला दिया गया। जिसके परिणामस्वरूप, जनजातियों का एक बड़ा विद्रोह अंग्रेजों के खिलाफ उभरकर सामने आया। जनजातियों के विद्रोह का नेतृत्व कई लोगों के साथ बिरसा मुंडा ने आरम्भ किया। जनजातियों को अंग्रेजों के विरुद्ध जगाने का काम किया। एकजुटता का प्रदर्शन किया। तीर कमान के साथ, पहाड़ों में छुपकर अंग्रेजों पर टूट पड़े। पुरोहितों, बगान मालिकों, अधिकारियों, जमींदारों, महाजनों अंग्रेज अफसरों को घेर घेर कर मारना आरम्भ किया। हालांकि यह आन्दोलन दबा दिया गया, किन्तु जनजातियों की वीरता एवं योग्यता अंग्रेजों के सामने आ गई।